1 भाषा, लिपि और व्याकरण

Language, Script and Grammar

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अपनी खुशी, प्रेम, दुख आदि भावनाओं को वह भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त करता है। कुछ उदाहरण देखिए—

मगर पहले ऐसा नहीं था। प्रारंभ में आदिमानव चौपायों की तरह झुंड में रहते थे। वे एक-दूसरे तक अपने विचार पहुँचाने के लिए कुछ ध्वनियों या संकेतों का सहारा लेते थे। किंतु केवल संकेत पूरी बात समझाने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

इसी क्रम में कुछ ध्वनियाँ विशेष वस्तुओं और कार्यों के लिए निश्चित होने लगीं। निश्चित वस्तुओं और कार्यों का संकेत करनेवाली ध्वनियाँ ही बाद में सार्थक शब्द बनीं और यही सार्थक शब्द विकसित होकर भाषा के रूप में ढल गए।

मनुष्य जो सोचता, समझता और अनुभव करता है, वह भाषा के द्वारा होता है। अपने भाव और विचार दूसरे तक पहुँचाता है, वह भी भाषा के द्वारा ही होती है। इस प्रकार—

भाषा भावों और विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

भाषा के द्वारा हम— **सोचते-समझते हैं, बोलते-सुनते हैं और लिखते-पढ़ते हैं।**

Scanned with CamScanner

भाषा के रूप

भाषा शब्द 'भाष्' धातु से बना है। इसका अर्थ है—बोलना।

भाषा के दो रूप हैं—

1. मौखिक भाषा
2. लिखित भाषा।

1. मौखिक भाषा

मौखिक का अर्थ है— मुँह से बोला हुआ/बोली हुई। इस प्रकार मौखिक भाषा का अर्थ हुआ मुँह से बोली जानेवाली भाषा।
भाषा का वह रूप, जिसमें एक व्यक्ति बोलकर अपने विचार व्यक्त करता है और दूसरा उसे सुनकर समझता है, मौखिक भाषा कहलाती है।

एक-दूसरे के साथ किए जानेवाले वार्तालाप, भाषण, टेलीफ़ोन, रेडियो-टी.वी. आदि में मौखिक भाषा का प्रयोग होता है।

2. लिखित भाषा

लिखित का अर्थ है— लिखा हुआ / लिखी हुई। इस प्रकार लिखित भाषा का अर्थ हुआ— लिखी हुई भाषा।
भाषा का वह रूप, जिसमें एक व्यक्ति लिखकर अपने विचार व्यक्त करता है और दूसरा पढ़कर उन्हें समझता है, लिखित भाषा कहलाती है।
आप पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ते हैं, पत्र लिखते हैं। ये सभी जिस रूप में होते हैं, उसे लिखित भाषा कहते हैं।

इसके अतिरिक्त कभी-कभी संकेतों को भी 'भाषा' कह दिया जाता है; जैसे—

चौराहे पर खड़ा यह सिपाही हाथों के संकेतों से वाहनों को निश्चित दिशा में चलने को कह रहा है।

लेकिन ये वास्तव में भाषा नहीं हैं। ये विशेष स्थितियों के प्रतीक हैं। भाषा के लिए दो गुण अनिवार्य रूप से होने चाहिएँ—

i. उसे बोला जा सकता हो ii. उसमें संवाद हो सकता हो।

जिस प्रकार संसार में कई भाषाएँ प्रचलित हैं; जैसे—हिंदी, अंग्रेज़ी, उर्दू, जर्मन, रूसी, अरबी, चीनी, फ्रेंच, स्पेनिश, पुर्तगाली, डच आदि। उसी प्रकार भारत में भी अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है। ये इस प्रकार हैं— असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, डोगरी, तमिल, तेलुगु, नेपाली, पंजाबी, बांग्ला, बोडो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी

Scanned with CamScanner

भाषा के अन्य रूप

मातृभाषा— जो भाषा हम अपने माता-पिता, परिवार और पड़ोस से सबसे पहले सीखते हैं, वह मातृभाषा कहलाती है। पंजाबी परिवार के बच्चों की मातृभाषा पंजाबी और हिंदी भाषी परिवार के बच्चों की मातृभाषा हिंदी होती है। इसी तरह असमिया, गुजराती, तमिल, बांग्ला, मलयालम आदि भी विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की मातृभाषाएँ हैं।

बोली— बोली का प्रयोग किसी छोटे-से क्षेत्र में बोलचाल के लिए किया जाता है। उसका अपना शब्द-भंडार अत्यंत विशेष और स्थानीय होता है। प्राय: बोलियों की अपनी लिपि नहीं होती। अत: उनका लिखित साहित्य भी प्राय: कम ही मिलता है।

राजभाषा— देश के सरकारी कार्यालयों में प्रयोग की जानेवाली भाषा राजभाषा कहलाती है। केंद्र सरकार की राजभाषा हिंदी है। इसे 14 सितंबर, 1949 को यह गौरव प्रदान किया गया था। इसलिए प्रतिवर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

विशेष— *केंद्रीय स्तर पर दूसरी आधिकारिक भाषा अंग्रेज़ी है।*

राष्ट्रभाषा— जब कोई भाषा देश के अधिकांश नागरिकों द्वारा प्रयोग में लाई जाती है तो वह राष्ट्रभाषा कहलाती है। इस आधार पर हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा कही जा सकती है क्योंकि यह भारत के अधिकतर हिस्सों में बोली-समझी जानेवाली भाषा है।

मानक भाषा— किसी भाषा के अनेक स्थानीय रूप होते हैं। इसमें एकरूपता लाने के लिए इन स्थानीय रूपों में से जिस रूप को मान्यता दी जाती है, उसे मानक भाषा कहते हैं। मानक भाषा का अर्थ है—'आदर्श भाषा' या 'शुद्ध भाषा'। मानक भाषा व्याकरण-सम्मत होती है। हिंदी का मानक रूप खड़ी बोली हिंदी कहलाता है।

लिपि

मौखिक ध्वनियों को लिखित रूप में अभिव्यक्त करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं। जिस प्रकार अनेक भाषाएँ हैं उसी प्रकार लिखने के ढंग भी अनेक हैं। अत: उनकी लिपियाँ भी भिन्न हैं। कोई भी भाषा किसी भी लिपि में लिखी जा सकती है; जैसे—

दीपाली विद्यालय जा रही है। — Deepali vidyalaya ja rahi hai.

Shefali is singing. — शेफाली इज़ सिंगिंग।

भिन्न भाषाओं को लिखने के लिए उसकी विशिष्ट लिपि होती है, जिसका वर्णन निम्न प्रकार से है—

लिपि		भाषा
देवनागरी लिपि	—	संस्कृत, हिंदी, मराठी, कश्मीरी, कोंकणी, नेपाली, संथाली, बोडो
रोमन लिपि	—	अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रांसीसी
फारसी लिपि	—	उर्दू
गुरुमुखी लिपि	—	पंजाबी

Scanned with CamScanner

देवनागरी, रोमन और गुरुमुखी लिपि बाएँ से दाएँ ओर लिखी जाती है, जबकि फ़ारसी लिपि दाएँ से बाएँ ओर लिखी जाती है।

व्याकरण

अब मानव के पास भाषा भी हो गई और लिपि भी; किंतु एक व्यक्ति की बात को अलग-अलग ढंग से समझा और ग्रहण किया जाने लगा। इससे विचार बना कि कुछ नियम बनाकर इस स्वरूप को और व्यवस्थित कर दिया जाए ताकि सभी भाषा के एक ही रूप को एक ही प्रकार से समझें। इसके लिए व्याकरण की व्यवस्था की गई जिसने भाषा की शुद्धता की जाँच-पड़ताल का ज़िम्मा लिया।

व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा भाषा के शुद्ध रूप तथा शुद्ध प्रयोग का ज्ञान होता है।

व्याकरण ही वे नियम बनाता है जिनके द्वारा भाषा की शुद्धता तथा एकरूपता बनी रहती है।

भाषा ध्वनियों पर आधारित होती हैं। ध्वनियों (वर्णों) से शब्द और शब्दों से वाक्य बनते हैं। इस आधार पर व्याकरण के तीन अंग हैं।

व्याकरण

वर्ण-विचार | शब्द-विचार | वाक्य-विचार

हिंदी भाषा

— हिंदी लगभग 1000 वर्ष पुरानी भाषा है।

— इसका विकास क्रम इस प्रकार है—संस्कृत→पालि→प्राकृत→अपभ्रंश→हिंदी

— भारत के प्रमुख हिंदी भाषी क्षेत्र हैं—उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल आदि।

— हिंदी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। यह विश्व की एक मात्र ऐसी लिपि है जिसमें स्वर और व्यंजन ध्वनियों को मिलाकर लिखने की व्यवस्था है। इसलिए हिंदी जैसी बोली जाती है वैसी ही लिखी जाती है।

— हिंदी केवल भारत की ही नहीं अपितु फिजी की भी राजभाषा है।

— वेब, विज्ञापन, संगीत, सिनेमा आदि क्षेत्रों में हिंदी की माँग जिस तरह बढ़ी है वैसी किसी और भाषा की नहीं।

Scanned with CamScanner

लिखिए

1. मौखिक और लिखित भाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

....

....

2. मौखिक और लिखित भाषा के दो-दो उदाहरण लिखिए।

मौखिक भाषा — ....

लिखित भाषा — ....

3. भारत में बोली जानेवाली किन्हीं छह भाषाओं के नाम लिखिए।

....

....

4. मातृभाषा से आप क्या समझते हैं? बताइए।

....

5. हिंदी दिवस कब और क्यों मनाया जाता है?

....

....

6. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं?

....

7. व्याकरण के तीनों अंगों के नाम लिखिए।

....

8. भाषा के दो अनिवार्य गुण कौन-से हैं?

....

9. हिंदी भाषी राज्यों के नाम लिखिए।

....

....

Scanned with CamScanner

7 संज्ञा
Noun

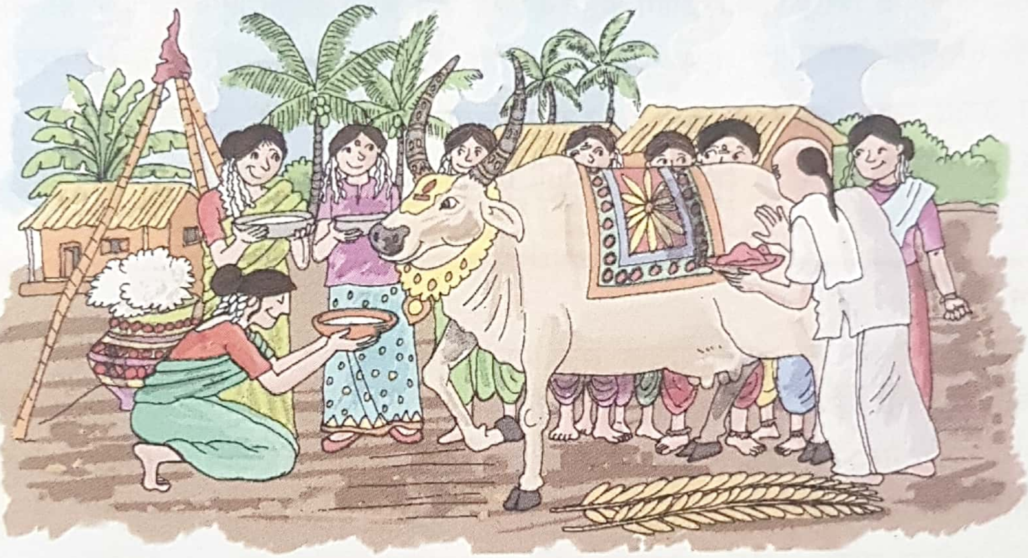

तमिलनाडु में धान की फसल कटने की खुशी में पोंगल का त्योहार मनाया जाता है। इसमें सूर्य की पूजा की जाती है और उन्हें नए उगे चावल का भोग लगाया जाता है। इस अवसर पर खेत-खलिहान व घर जोश व उमंग से भर उठते हैं।

उपर्युक्त उदाहरण में रंगीन पदों पर विशेष ध्यान दीजिए—आप देखेंगे कि ये पद किसी वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव आदि का नाम बता रहे हैं। संसार की प्रत्येक वस्तु किसी न किसी नाम से जानी जाती है और यही नाम शब्द व्याकरण में संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

किसी वस्तु, स्थान, प्राणी, अवस्था, गुण या भाव के नाम का बोध करवाने वाले शब्दों को संज्ञा शब्द कहा जाता है।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद होते हैं—

संज्ञा

1. **व्यक्तिवाचक**
2. **जातिवाचक**
3. **भाववाचक**

Scanned with CamScanner

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम की सूचना दे, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे—सुनीता, यमुना, रामचरितमानस, मुंबई, नेपाल आदि। ये शब्द किसी जगह, व्यक्ति, वस्तु विशेष की ओर ही संकेत करते हैं, अतः ये व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं।

* चंद्रमा, सूर्य, पृथ्वी आदि को व्यक्तिवाचक संज्ञा ही मानना चाहिए। चंद्रमा अनेक माने जाते हैं, अतः व्यवहार में रूप बदल सकते हैं परंतु इनका प्रयोग बहुवचन के रूप में न होकर एकवचन में ही होता है, अतः इन्हें व्यक्तिवाचक ही माना जाएगा।
* आम, केला आदि फल विशेष के नाम हैं। इन्हें जातिवाचक माना जाए या व्यक्तिवाचक? आम और केला फल विशेष के नाम होने पर भी समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं। आम एक नहीं बहुत तरह के होते हैं, अतः जातिवाचक संज्ञा है।

यह भी जानें...

सेब, तोता आदि को भ्रम से व्यक्तिवाचक संज्ञा मान लिया जाता है जबकि विशेष फल, पक्षी होते हुए भी जाति का ही बोध करवाते हैं।

बहुत सारी गौरैयाँ और मैना बैठी हैं। हमारे लिए हर पीली चोंचवाली मैना है, कोई एक चिड़िया नहीं, अतः ये जातिवाचक संज्ञाएँ हैं।

"यदि प्रत्येक अकेले पदार्थ (जैसे— प्रत्येक सूई) का एक अलग विशेष नाम रखा जाए तो भाषा बहुत ही जटिल हो जाएगी। इसलिए अधिकांश पदार्थों का बोध जातिवाचक संज्ञाओं से हो जाता है और व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का प्रयोग केवल भूल या गड़बड़ मिटाने के लिए किया जाता है।"

कामताप्रसाद गुरु
हिंदी व्याकरण पृष्ठ-64

2. जातिवाचक संज्ञा

जो संज्ञा शब्द संपूर्ण जाति, वर्ग या समुदाय का बोध करवाते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे—नदी, देश, विद्यार्थी, फल, सब्ज़ी, फूल, शहर, पशु आदि जातिवाचक संज्ञाएँ हैं। ये सभी उदाहरण नदी, देश विशेष आदि का बोध नहीं करवा रहे वरन संपूर्ण वर्ग या जाति का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, अतः जातिवाचक संज्ञाएँ हैं।

यह भी जानें...

कुछ विद्वान संज्ञा के दो और भेद द्रव्यवाचक संज्ञा और समूहवाचक संज्ञा— भी मानते हैं, परंतु ये जाति का ही बोध करवाते हैं। अतः इन्हें अलग उपभेद कहने का कोई औचित्य नहीं जान पड़ता।

Scanned with CamScanner

3. भाववाचक संज्ञा

गुण, दोष, भाव, दशा, अवस्था, स्वभाव आदि का बोध करवानेवाले संज्ञा शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। मिठास, हँसी, सुख, दर्द, ऊँचाई, बुढ़ापा, सुंदरता आदि भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

कुछ संज्ञाएँ मूल रूप में ही भाववाचक होती हैं—क्षमा, सत्य, घृणा, सुख आदि। कुछ अन्य शब्दों से बनाई जाती हैं—चतुर से चतुराई, नारी से नारीत्व आदि।

* भाववाचक संज्ञाओं को देखा या छुआ नहीं जा सकता। उन्हें केवल इंद्रियों से अनुभूत किया जा सकता है। जिसका अनुभव किया जाए, अहसास हो, वही भाववाचक संज्ञा है। इनकी गिनती भी नहीं की जा सकती।

भाववाचक संज्ञा का निर्माण

भाववाचक संज्ञाएँ पाँच प्रकार से बनती हैं—

i. **जातिवाचक संज्ञाओं से**

जातिवाचक	भाववाचक	जातिवाचक	भाववाचक	जातिवाचक	भाववाचक
मित्र	मैत्री/मित्रता	दानव	दानवता	पुरुष	पौरुष/पुरुषत्व
माता	मातृत्व	देव	देवत्व	चोर	चोरी
स्त्री	स्त्रीत्व	प्रभु	प्रभुता/प्रभुत्व	सज्जन	सज्जनता
व्यक्ति	व्यक्तित्व	डाकू	डाका/डकैती	इनसान	इनसानियत
कवि	कवित्व	वीर	वीरता/वीरत्व		

ii. **सर्वनामों से**

सर्वनाम	भाववाचक	सर्वनाम	भाववाचक
अपना	अपनापन/अपनत्व	निज	निजता/निजत्व
आप	आपा	मम	ममता/ममत्व
स्व	स्वत्व	अहं (मैं के अर्थ में)	अहंकार

iii. **विशेषणों से**

विशेषण	भाववाचक	विशेषण	भाववाचक	विशेषण	भाववाचक
शिष्ट	शिष्टता	मीठा	मिठास	स्वस्थ	स्वास्थ्य
हरा	हरियाली	भला	भलाई	अच्छा	अच्छाई
गंभीर	गांभीर्य/गंभीरता	महान	महानता	कुशल	कौशल/कुशलता
ललित	लालित्य	ऊँचा	ऊँचाई	विस्तृत	विस्तार
एक	एकता	मूर्ख	मूर्खता	भयानक	भय
काला	कालिमा/कालापन	प्यासा	प्यास	कठिन	कठिनता/कठिनाई

Scanned with CamScanner

iv. **क्रियाओं से**

क्रिया	भाववाचक संज्ञा	क्रिया	भाववाचक संज्ञा	क्रिया	भाववाचक संज्ञा
उड़ना	उड़ान	मिलाना	मिलावट	धमकाना	धमकी
बचना	बचाव	गिरना	गिरावट	चमकना	चमक
लेना-देना	लेन-देन	भागना-दौड़ना	भगदड़	बहना	बहाव
फैलना	फैलाव	पीटना	पिटाई	देखना	दिखावा
रोकना	रोक/रुकावट	धोना	धुलाई		

v. **अव्यय से**

अव्यय	भाववाचक संज्ञा	अव्यय	भाववाचक संज्ञा	अव्यय	भाववाचक संज्ञा
ऊपर	ऊपरी	दूर	दूरी	वाह	वाहवाही
समीप	सामीप्य	निकट	निकटता	मना	मनाही

यह भी जानें...

व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक के रूप में प्रयोग—

- जयचंदों की आजकल कमी नहीं है। (बुरे आदमी के अर्थ में प्रयोग किया गया है।)

जातिवाचक संज्ञा का व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयोग

- बापू जी सत्य और अहिंसा के पक्षधर थे। (महात्मा गांधी के लिए प्रयोग किया गया है।)

Scanned with CamScanner

हमने सीखा

- किसी वस्तु, स्थान, प्राणी, अवस्था, गुण या भाव के नाम का बोध करवाने वाले शब्दों को संज्ञा शब्द कहा जाता है।
- संज्ञा के तीन भेद हैं—

संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा | जातिवाचक संज्ञा | भाववाचक संज्ञा

- जातिवाचक संज्ञा का नाम लेते ही कोई स्थूल वस्तु सामने आती है और भाववाचक संज्ञा में अनुभव एवं अहसास होगा।
- व्यक्तिवाचक संज्ञा सदा एकवचन में ही प्रयुक्त होती है।
- जातिवाचक संज्ञाओं का प्रयोग व्यक्तिवाचक के रूप में तथा व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का प्रयोग जातिवाचक के रूप में भी किया जाता है।

अभ्यास

पहचान और प्रयोग पर आधारित

बताइए

1. **संज्ञा से आप क्या समझते हैं?**
2. **समूहवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञा के दो-दो उदाहरण दीजिए।**
3. **व्यक्तिवाचक संज्ञा कब जातिवाचक कहलाती है?**

लिखिए

1. **निम्नलिखित अवतरण से जातिवाचक, व्यक्तिवाचक तथा भाववाचक संज्ञाएँ छाँटकर नीचे सूची में लिखिए—**

अर्जुन ने कहा, "भगवन्! यह मेरी नहीं, मेरे अहंकार की चिता जलेगी। मैं आपकी शक्ति को भूलकर स्वयं को सर्वशक्तिमान समझ बैठा था।" श्रीकृष्ण ने कहा, "अर्जुन! तुम्हें चिता में जलकर प्राण देने की आवश्यकता नहीं है। ब्राह्मण पुत्रों को मैं वापस लाता हूँ।"

अर्जुन का अभिमान समाप्त हो चुका था। वे समझ गए थे कि वास्तविक शक्ति कृष्ण ही हैं। वे ही क्षमा भी करेंगे।

Scanned with CamScanner

जातिवाचक संज्ञा	व्यक्तिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
..........पुत्रों..............	..........अर्जुन............	..........क्षमा...........
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

2. दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए—

महान	.....महानता.......	लिखना	....	गर्म	....
उदार	....	गहरा	....	स्वस्थ	....
जीतना	....	चुनना	....	स्व	....
रोना	....	लाल	....	सुंदर	....

3. दो-दो उदाहरण लिखिए—

i. व्यक्तिवाचक संज्ञा को जातिवाचक में बदलकर—

....

....

ii. जातिवाचक संज्ञा को व्यक्तिवाचक में बदलकर—

....

....

4. रेखांकित पद के लिए संज्ञा-भेद के सही विकल्प पर ✓ का चिह्न लगाइए—

i. <u>वसंत</u> में कोयल कूकती है।

☐ जातिवाचक संज्ञा ☐ व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ भाववाचक संज्ञा

ii. हामिल को <u>केला</u> पसंद है।

☐ जातिवाचक संज्ञा ☐ व्यक्तिवाचक संज्ञा ☐ भाववाचक संज्ञा

Scanned with CamScanner